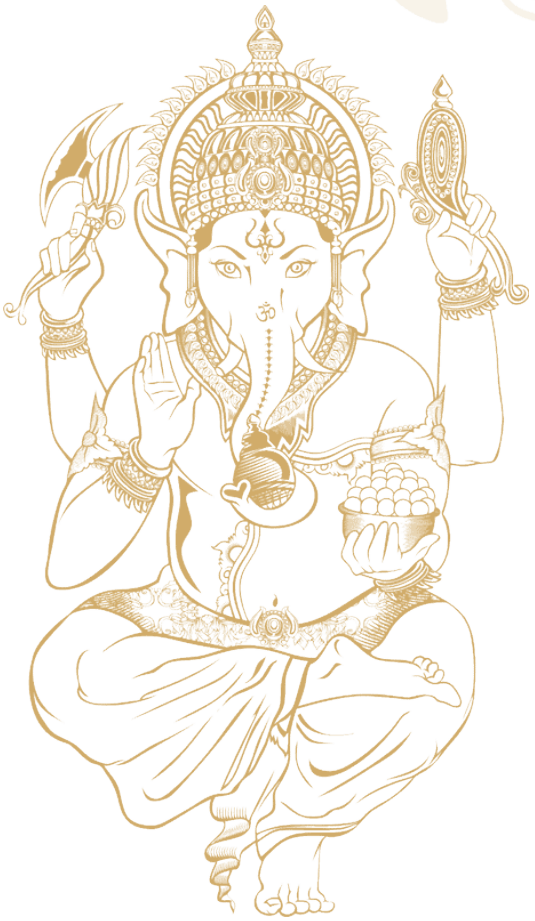

Mr.Sahil

Ms.Ritika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119386704

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
24-25/01/1989 :	जन्म तिथि	: 22/07/1988
मंगल-बुधवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 00:29:00 :	जन्म समय	: 09:40:00 घंटे
घटी 43:09:24 :	जन्म समय(घटी)	: 10:07:36 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:13:14 :	सूर्योदय	: 05:36:57
17:54:19 :	सूर्यास्त	: 19:17:47
23:42:24 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:41:55

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 19वर्ष 8मा 15दि	07:49:02	तुला	लग्न	सिंह	27:21:50	राहु 17वर्ष 10मा 0दि
मंगल	11:04:33	मक	सूर्य	कर्क	05:52:35	शनि
10/10/2024	13:31:38	सिंह	चंद्र	तुला	06:47:23	23/05/2022
11/10/2031	09:20:52	मेष	मंगल	मीन	09:54:40	23/05/2041
मंगल 09/03/2025	11:34:14	मक व	बुध	मिथु	22:39:30	शनि 26/05/2025
राहु 27/03/2026	02:25:10	वृष	गुरु	वृष	06:19:53	बुध 03/02/2028
गुरु 03/03/2027	23:51:48	धनु	शुक्र	वृष	25:25:28	केतु 14/03/2029
शनि 11/04/2028	14:37:22	धनु	शनि व	धनु	03:24:02	शुक्र 13/05/2032
बुध 08/04/2029	11:19:55	कुंभ	राहु व	कुंभ	21:21:56	सूर्य 25/04/2033
केतु 04/09/2029	11:19:55	सिंह	केतु व	सिंह	21:21:56	चन्द्र 24/11/2034
शुक्र 04/11/2030	09:24:40	धनु	हर्ष व	धनु	04:08:27	मंगल 03/01/2036
सूर्य 12/03/2031	17:05:45	धनु	नेप व	धनु	14:32:35	राहु 09/11/2038
चन्द्र 11/10/2031	21:19:45	तुला	प्लूटो	तुला	16:03:43	गुरु 23/05/2041

लग्न-चलित

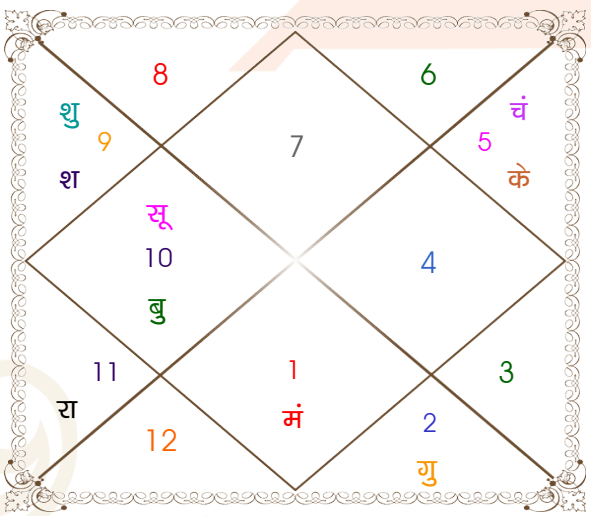

लग्न-चलित

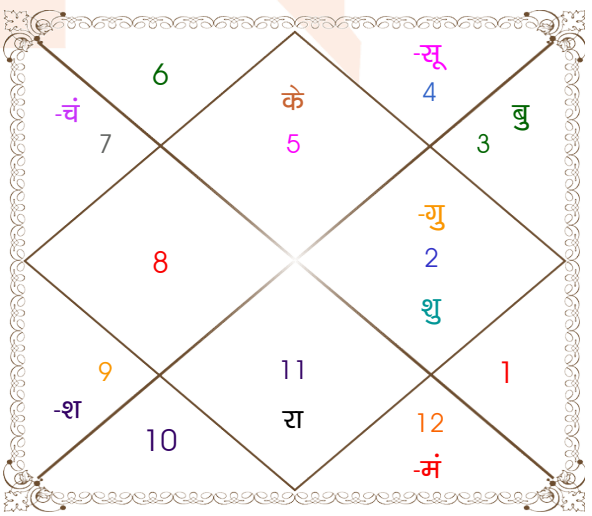

Acharya Dhairya Nath Mishra Shastri,B.Ed
Sanatan Dharam Mandir A1 Block Paschim Vihar New Delhi
234 Milanssar Apartment Paschim Vihar New Delhi
9810374751
acharyadnmishra1961@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Mr.Sahil का वर्ग मूषक है तथा Ms.Ritika का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Sahil और Ms.Ritika का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Sahil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.Sahil कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Ritika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Ritika कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Ritika कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Sahil कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Sahil तथा Ms.Ritika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।